

SHRI DATTATREY NARAYAN ALIAS AAPPASAHEB DHARMADHIKARI

Shri Dattatrey Narayan alias Aappasaheb Dharmadhikari is founding president of Dr. Shree Nanasaheb Dharmadhikari Pratishthan. It's one of the world's largest nonprofit organization involving millions of volunteers. He is well known in state of Maharashtra for his years of selfless social awakening, & social service work benefitting millions of people. Since last several years it has spread its wings across pan India and even outside India to USA, UK, Australia, Singapore, Oman, UAE, South Africa, Nigeria, Finland, Qatar etc.

2. Aappasaheb was born on May 14, 1946 in Revdanda, Alibag, Dist.Raigad (Maharashtra) in a family known for its glorious tradition of selfless social awakening work, Around 325 years back, ninth ascendant in the family Shri Govinda Chintaman Shandilya was honored and awarded the title of 'Dharmadhikari' for his social awakening work. The family continues to be known as Dharmadhikari nine generations later and the work of social awakening is continued. Aappasaheb's father, Shri. Narayan Vishnu alias Nanasaheb Dharmadhikari who is recipient of Maharashtra Bhushan award, was also renowned social reformer. Since last 50 years, Aappasaheb has been working towards eradication of blind faiths and customs, women empowerment, adult literacy, children guidance centers, de addiction, reinstating social and family values by using his simple teachings derived from saintly literature. His work has transformed lives of millions of people spread across all sects and classes, villages and cities. Across the state of Maharashtra, Aappasaheb has initiated numerous mega scale social work projects through Pratishthan involving millions of volunteers. It includes cleanliness drives, tree plantation and nurturing drives, healthcare and health awareness camps, blood donation camps, water resources management work, empowerment of children for education & rainwater harvesting etc.

3. Just to mention few examples, as part of tree plantation and nurturing drives, so far Pratishthan has planted & nurtured more than 2,27,710 trees. On 1th July 2016, 1.22 lakh Volunteers planted 23,35,738 trees in single day and made Government of Maharashtra arranged `Vanmahotsav', a grand success. Sanjay Gandhi National Park located in Mumbai, has undergone massive makeover due to various fruit and flowering plants (more than 25,000) planted & nurtured over an area of 104 sq. km. Under the healthy India campaign, 16 health checkup and awareness camps were arranged across Maharashtra. 2,29,431 people benefitted directly from these camps. One of such mega camps held in Navi Mumbai, made its way into the Guinness Book of World Records and Limca book of records. 1571 doctors, 5000 paramedics provided free of cost of diagnosis and treatment to 1,59,000 people. Various Blood Donation Camps held in 32 cities have resulted in collection of more than 18000 blood bags. One of the mega cleanliness drive arranged across state of Maharashtra made its way into Limca book of world records. 2 lakh and 8 thousand volunteers spanned across various cities and villages participated and cleaned sea shores, public areas, roads, thousands of wells, seven dams and many reservoirs. 3437 bore-wells and wells have been recharged as part of rain water harvesting and water recharge drive run in drought hit districts of Maharashtra.64726 school children from 2010 different schools received direct assistance through school material donation program.

4. Aappasaheb has been appointed as Ambassador for the Prime Ministers Swachha Bharat Abhiyan by Governor of Maharashtra in 2014. Governor and Chief Minister of Maharashtra felicitated Aappasaheb in 2016 for his contribution towards development of Maharashtra. D.Y.Patil University honored him D.Litt in 2014. He is also recipient of numerous other prestigious awards and felicitations.



श्री दत्तात्रेय नारायण ऊर्फ आप्पासाहेब धर्माधिकारी

श्री दत्तात्रेय नारायण ऊर्फ आप्पासाहेब धर्माधिकारी डॉ. श्री नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान के संस्थापक अध्यक्ष हैं। यह संस्था विश्व का विशालतम गैर-लाभकारी संगठन है जिसमें लाखों स्वयंसेवक कार्यरत हैं। आप महाराष्ट्र राज्य में नि:स्वार्थ सामाजिक कार्यक्रम, सामाजिक सेवा के लिए सुविख्यात हैं जिससे लाखों लोग वर्षों से लाभान्वित हो रहे हैं, विगत कई वर्षों से इस संगठन ने सम्पूर्ण भारत में एवं भारत के बाहर संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, आस्ट्रेलिया, सिंगापुर, ओमान, यू ए ई, दक्षिण अफ्रीका, नाइजीरिया, फिनलैंड, कतर आदि देशों में अपना विस्तार किया है।

2. आपका जन्म 14 मई, 1946 को रायगढ़ जिले (महाराष्ट्र) के अलीबाग, रेवदान्दा के ऐसे प्रसिद्ध परिवार में हुआ था जो नि:स्वार्थ भावना से सामाजिक सेवा एवं जागरूकता कार्य के लिए परम्परागत रूप से समर्पित था। लगभग 325 वर्ष पहले आपके नवें पूर्वज श्री गोविंद चिंतामणि शाणिल्य को उनके सामाजिक कार्य एवं जागरूकता हेतु सम्मानित किया गया था एवं धर्माधिकारी की पदवी से विभूषित किया गया था। नौ पीढ़ियों के बाद भी यह परिवार धर्माधिकारी के नाम से जाना जाता है एवं आज भी सामाजिक जागरूकता के प्रति उनका यह समर्पित कार्य जारी है। आपके पिता श्री नारायण विष्णु ऊर्फ नानासाहेब धर्माधिकारी एक प्रख्यात समाज सुधारक थे जिनको महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। विगत 50 वर्षों से आप संत साहित्य से प्राप्त सरल शिक्षा का उपयोग करते हुए कुप्रथाओं रीति-रिवाजों के उन्मूलन, महिला सशक्तिकरण, प्रौढ़ शिक्षा का मार्गदर्शन करने वाले केन्द्रों के संचालन, नशे की लत से मुक्ति एवं सामाजिक एवं पारिवारिक मूल्यों की पुनर्स्थापना हेतु कार्य करते रहे हैं। आपके कार्य से सभी सम्प्रदायों एवं वर्गों के, गांवों एवं शहरों के लाखों लोगों के जीवन में बदलाव आया है। सम्पूर्ण महाराष्ट्र राज्य में आपने लाखों स्वयंसेवकों को शामिल कर इस प्रतिष्ठान के माध्यम से अनेक वृहत् स्तरीय सामाजिक कार्य परियोजनाओं की शुरुआत की है। इसमें स्वच्छता अभियान, वनरोपण एवं प्रकृति संरक्षण, स्वास्थ्य परिचर्या, स्वास्थ्य जागरूकता शिविरों का आयोजन, रक्तदान शिविरों का आयोजन, जल संसाधन प्रबंधन कार्य, बच्चों को शिक्षा के लिए सशक्तिकरण एवं वर्षाजल संचयन आदि शामिल हैं।

3. कुछ प्रमुख उदाहरणों के उल्लेख स्वरूप, प्रतिष्ठान द्वारा वनरोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के भाग के रूप में अब तक 2,27,710 पौधों के रोपण एवं उसके संरक्षण का कार्य किया गया है। 01 जुलाई, 2016 को मात्र एक दिन में 1.22 लाख स्वयंसेवकों ने 23,35,738 पौधों का रोपण कार्य किया एवं महाराष्ट्र राज्य सरकार को वन महोत्सव को सफलतापूर्वक आयोजित करने में सहायता प्रदान की। मुम्बई में संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में विभिन्न प्रकार के फलों एवं फूलों के पौधों (25,000 से अधिक) के रोपण एवं 104 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र से अधिक भू-भाग के संरक्षण से इसका पूरा परिदृश्य ही बदल गया है। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत पूरे महाराष्ट्र में 16 स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता शिविरों के आयोजन किए गए थे। 2,29,431 लोगों ने इन शिविरों से प्रत्यक्षत: लाभ उठाया। इस प्रकार का वृहत् स्तरीय शिविर नवीं मुम्बई में आयोजित किया गया था जो गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड एवं लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हुआ। 1571 चिकित्सकों एवं 5000 पैरा चिकित्सकों ने 1,59,000 लोगों के नि:शुल्क डायग्नोसिस तथा इलाज किए। 32 शहरों में आयोजित अनेक रक्तदान शिविरों के माध्यम से 18000 से अधिक रक्त बैग संग्रह किए गए। पूरे महाराष्ट्र में एक बड़े स्तर पर आयोजित स्वच्छता अभियान लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉड में शामिल हुआ। दो लाख एवं आठ हजार स्वयंसेवकों ने विभिन्न शहरों एवं गांवों में स्वच्छता अभियान में भाग लिया तथा एवं समुद्र तटों, सार्वजनिक क्षेत्रों, सड़कों, हजारों कुँओं, 7 बांधों एवं कई एक रिजरवायरों को स्वच्छ किया गया। महाराष्ट्र के अकाल प्रभावित क्षेत्रों में 3437 बोर-वेलों एवं कूपों को वर्षा जल संग्रह तथा जल संरक्षण अभियान के माध्यम से पुन: संजीवित किया जा चुका है। वर्ष 2010 से विभिन्न विद्यालयों के 64726 स्कूली बच्चों को विद्यालयी सामग्री दान कार्यक्रम के माध्यम से प्रत्यक्ष लाभ दिया जा रहा है।

4. वर्ष 2014 में महाराष्ट्र के राज्यपाल द्वारा आपको प्रधानमंत्री स्वच्छ भारत अभियान का अम्बेस्डर नियुक्त किया गया। महाराष्ट्र के महामहिम राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र के विकास के लिए आपके द्वारा दिए गए योगदान हेतु वर्ष 2016 में आपको सम्मानित किया। वर्ष 2014 में ही आपको डी.वाई. पाटील विश्वविद्यालय द्वारा डी.लिट्. की उपाधि से सम्मानित किया गया। आप असंख्य अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कारों एवं सम्मानों से सम्मानित किए जा चुके हैं।